दर दर न भटका संवारे

दर दर न भटका संवारे,
पार लगा दो नैया मेरी बीच भावर अटका
दर दर न भटका संवारे,

भाई बंधू कुटंब कबीले देखे लिए मैंने सारे,
वो क्या मुझको देंगे सहारा जो किसमत के मारे,
जिसका हाथ पकड़ना चाहा,
उसने ही झटका
दर दर न भटका संवारे,

जिस जिस दर मैंने हाथ बडाया सब ने ही ठुकाराया,
इसीलिए सब छोड़ जमाना तेरा दर पे आया ,
जिस से आस लगाई मैंने आँखों में खटका
दर दर न भटका संवारे,

तुम हो जगत के मालिक बाबा तुम से क्या शरमाना
बाबा एसी करो किरपा जो देखे सारा ज़माना
कहे मनीष निकालो फंदा गले मेरे अटका
दर दर न भटका संवारे,

Source: https://www.bharattemples.com/dar-dar-na-bhatka-sanware/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw